



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 241]
No. 241]

नई दिल्ली, बुध्दिवार, जून 19, 1986/ज्येष्ठ 29, 1908
NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 19, 1986/JYAISTHA 29, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 19 जून, 1986

आदेश

का. आ. 368 (अ) :—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 641 (अ), तारीख, 10 नवम्बर, 1978 द्वारा जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है। वेस्ट बंगाल फार्मास्यूटिकल एण्ड फाइटोकैमिकल डेवलपमेंट कारपोरेशन लि. इलाको हाउस (दूसरा मंजिल) 1 और 3 ब्राबोर्नस रोड, कलकत्ता-700001 को (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है) मै. डा. पाल लोहर्मेन (इंडिया) लि. कलकत्ता नामक संपूर्ण औद्योगिक उपक्रम (जिसे इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) का प्रबन्ध 10 नवम्बर, 1978 से प्रारंभ होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था।

और केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 793(अ), तारीख 9

नवम्बर, 1981 सं. का. आ. 312 (अ) तारीख 18 मई, 1982 सं. का. आ. 789 (अ) तारीख 9 नवम्बर, 1982 सं. का. आ. 801(अ) तारीख 10 नवम्बर, 1983 सं. का. आ. 364 (अ) तारीख 8 मई, 1984 सं. का. आ. 825 (अ) तारीख, 9 नवम्बर, 1984 सं. का. आ. 926 (अ) तारीख 7 दिसम्बर, 1984 और सं. का. आ. 104 (अ) तारीख 8 फरवरी, 1985 और सं. का. आ. 596(अ) तारीख 8 अगस्त, 1985 सं. का. आ. 730 (अ) तारीख 8 अक्टूबर, 1985 सं. का. आ. 108(अ) तारीख 9 अप्रैल, 1986 सं. का. आ. 205 (अ) तारीख 23 अप्रैल, 1986 सं. का. आ. 247 (अ) तारीख 8 मई, 1986 कां. आ. 303 दिनांक 26 मई, 1986 और का. आ. 344 (अ) दिनांक 6 जून, 1986 द्वारा उद्योग विकास और विनियमन अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चक के अधीन कलकत्ता उच्च न्यायालय की अनुज्ञा से उक्त प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 20 जून, 1986 तक, जिसमें यह तारीख सम्मिलित है, सात वर्ष, सात माह और ग्यारह दिन की अवधि के लिए करते रहने के लिए समय-समय पर निदेश दिये थे। और केन्द्रीय सरकार ने अपना यह राय होने पर कि जनसाधारण के हित में ममोचन था कि उक्त प्राधिकृत व्यक्ति उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध सात वर्ष सात माह और ग्यारह दिन की समाप्ति की अवधि के पश्चात् करता रहे, उक्त अधिनियम की धारा 18 चक की उपधारा (2)

के परन्तुक के अधीन कलकत्ता उच्च न्यायालय को, आवेदन किया था और उससे ऐसे प्रबन्ध को छह माह की और अवधि के लिए बनाये रखने की प्रार्थना की थी।

और उक्त उच्च न्यायालय ने, अपने आदेश तारीख 18 जून, 1986 द्वारा उक्त प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 15 दिन की और अवधि के लिए करते रहने की अनुज्ञा दी थी।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 18 चक की उप-धारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 15 दिन तक की, जिसमें 5 जुलाई 1986 की तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा. स. 4 (2)/80-सी. यू. एस.]

ब्रजेन्द्र सहाय, संयुक्त सचिव,

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 19th June, 1986

ORDER

S.O. 368 (E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 641(E), dated the 10th November, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government had authorised the West Bengal Pharmaceutical and Phytochemical Development Corporation Limited, Ilaco House, (2nd Floor), 1 and 2, Barabourne Road, Calcutta-700001, (hereinafter referred to as the said authorised person), to take over the management of the whole of the industrial Undertaking known as Messrs Dr. Paul Lohmann (India) Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) for a period of three years commencing on the 10th November, 1978.

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 793(E), dated the 9th November, 1981, S.O. 312(E), dated the 8th May, 1982, S.O. 789(E), dated the 9th November, 1982, S.O. 801(E), dated the 10th

November, 1983, S.O. 364(E), dated the 8th May, 1984, S.O. 825(E), dated the 9th November, 1984, S.O. 926(E), dated the 7th December, 1984, S.O. 104(E) dated the 8th February, 1985, S.O. 596(E), dated the 8th August, 1985, S.O. 730(E), dated the 8th October, 1985, S.O. 180(E), dated the 9th April, 1986, S.O. 205(E), dated 23rd April, 1986, S.O. 247(E), dated the 8th May, 1986, S.O. 303(E), dated 26th May, 1986 and S.O. 344(E) dated the 6th June, 1986 the Central Government, with the permission of the High Court at Calcutta under Section 18FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) had from time to time directed the said authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a period of seven years seven months and eleven days, upto and inclusive of the 20th June, 1986.

And, whereas, the Central Government, being of the opinion that it was expedient in the Interest general public that the said authorised person should continue to manage the said industrial undertaking after the expiry of the said period of Seven years Seven months and eleven days made an application under the proviso to sub-section (2) of Section 18 FA of the said Act to the High Court at Calcutta praying for the continuance of such management for a further period of six months;

And, whereas, the said High Court, by its order dated 18th June, 1986, permitted the said authorised person to continue to manage the said Industrial Undertaking for a further period fifteen days.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18 FA of the said Act, the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect for a further period of fifteen days upto and inclusive of the 5th July, 1986.

[File No. 4(2)/80-CUS]

B. SAHAY, Jt. Secy.